ceived against the recovery are at various stages of consideration. One of the manufacturers, namely, M/s Fulford (India) Limited have filed a Writ Petition in the Delhi High Court against the recovery and obtained Stay of further proceedings in the matter. The case is now listed for hearing on 30th July, 1985.

Setting up of a Bench of Allahabad High Court in Western U.P.

*97. SHRI SHANTI TYAGI:
SHRI KAPIL VERMA:

Will the Minister of LAW AND JUSTICE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Jaswant Singh Commission for setting up a bench of the Allahabad High Court in Western U.P. has submitted its report to the Government;

(b) if so what are the recommendations of the Commission; and

(c) whether Government have taken by decision in the light thereof?

THE MINISTER OF LAW AND JUSTICE (SHRI ASOKE KUMAR SEN): (a) Yes, Sir. The Jaswant Singh Commission submitted its Report to the Government on 30th April, 1985.

(b) and (c) Government is examining the Report of the Commission.

शाहजहांपुर जिले में टेलीफोन सेवा का अस्त-व्यस्त होना

*98. **श्री शिव कुमार मिश्र :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि जून के अंतिम सप्ताह में आफिसर्स कालोनी शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश) में लगभग सभी टेलीफोन करीब 5–6 दिन तक खराब रहे जिसके परिणामस्वरूप लोग अफसरों संपर्क न कर सके ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं तथा क्या इस संबंध में कोई जांच की गई है ; और

(ग) सरकार भविष्य में इस प्रकार सेवा की अस्त-व्यस्तता को रोकने के लिये क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राम निवास मिर्धा): (क) जी, हां। 25–6–85 को भारी वर्षा के कारण 50 पेयर भूमिगत केबिल क्षतिग्रस्त हो गया था। इस केबिल से आफीसर कालोनी को सेवा प्रदान की जाती थी। केबिल क्षतिग्रस्त होने से 39 टैलीफोनों पर दुष्प्रभाव पड़ा था। 29–6–85 को दोष दूर कर किया गया था। 30–6–85 को केबिल पुनः क्षतिग्रस्त हो गया और 1–7–85 को इसे ठीक कर दिया गया था। इसके बावजूद माननीय संसद सदस्य और जिला मजिस्ट्रेट के टेलीफोन वैकल्पिक मार्ग से जोड़कर 26–6–85 को ही चालू कर दिये गये थे।

(ख) केबिल आवरण चटकने के कारण पानी चला गया जिसके फलस्वरूप केबिल क्षतिग्रस्त हुआ। दोष का पता लगाकर उसे ठीक किया गया। इस बारे में जांच करना आवश्यक नहीं समझा गया।

(ग) भूमिगत केबिल नाजुक होते हैं और उनमें दोष की संभावनाओं को कम करने के लिये अनेक उपाय किये जा रहे हैं। कस्बों में विभिन्न जनोपयोगी एजेंसियों के बीच और अधिक प्रभावशाली समन्वय स्थापित करने के प्रयत्न किये जा रहे हैं ताकि खुदाई कार्यों में समन्वय रखा जा सके। जैली भरे केबिलों का प्रयोग बढाया जा रहा है क्योंकि इनमें जल प्रवेश प्रतिरोध की क्षमता अधिक है।

Boards for legal aid to the poor

*99. SHRI AMARPROSAD CHAKRABORTY:
SHRI S. W. DHABE:

Will the Minister of LAW AND JUSTICE be pleased to state:

(a) how many States have set up Boards for legal aid to the poor;